सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, बुधवार, 28 मई, 2025
वर्षः 02, अंकः 149, पृष्ठः 8+4

पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर सीएम योगी ने डाला डेरा » Pg07

इनसाइड » डॉ. अनुष्का ने माना- किया था इंजीनियरों को हेयर ट्रांसप्लांट » Pg04

यूपी में 24 घंटे में 10 एनकाउंटर

पुलिस की कार्रवाई से थर-थर कांपे हिस्ट्रीशीटर, 8 शहरों में हुई बड़ी कार्रवाई, ऑपरेशन लंगड़ा लोकप्रिय

» लखनऊ/प्रमुख स्वराज इंडिया

यूपी पुलिस ने एक बार फिर से अपराधियों के खिलाफ तगड़ा एक्शन लिया है। पुलिस ने 24 घंटे में ताबड़तोड़ 10 एनकाउंटर किए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से हिस्ट्रीशीटरों में डर का माहौल है। अपराधियों को यूपी पुलिस में अपना काल दिखाई देने लगा है।

उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का ऑपरेशन एनकाउंटर जारी है। राज्य में क्राइम कंट्रोल के लिए यूपी पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। यही वजह है कि पुलिस ताबड़तोड़ एनकाउंटर कर रही है। यूपी पुलिस ने प्रदेश में 24 घंटे में 10 शहरों में एनकाउंटर किया। इस मुठभेड़ में कई बड़े-बड़े बदमाश पकड़े गए। ये सभी ऐसे क्रिमिनल्स हैं, जिनकी पुलिस को लंबे समय से तलाश थी।

लखनऊ में जहां पुलिस ने रेप के आरोपी को मुठभेड़ के बाद अरेस्ट किया, वहीं गाजियाबाद में सिपाही की हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया। शामली में 25 हजार का इनामी बदमाश पकड़ा गया। वहीं झांसी में भी पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। बुलंदशहर, बागपत, आगरा, जालौन, बलिया और उन्नाव में भी एनकाउंटर के बाद पुलिस ने कई क्रिमिनल्स को अरेस्ट किया है।

ऑपरेशन लंगड़ा हुआ देशभर में लोकप्रिय

ऑपरेशन लंगड़ा उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ चलाया जा रहा एक अभियान है, जिसमें अपराधियों को गिरफ्तार करने और अपराध को नियंत्रित करने के लिए पुलिस मुठभेड़ों के दौरान अपराधियों को पकड़ने की कोशिश करती है।

अगर अपराधी भागने या जवाबी कार्रवाई करने की कोशिश करते हैं, तो पुलिस अक्सर उनके पैरों में गोली मारकर उन्हें लंगड़ा कर देती है, ताकि वे भविष्य में अपराध करने में असमर्थ हो जाएं।

इस रणनीति को अनौपचारिक रूप से ऑपरेशन लंगड़ा कहा जाता है, क्योंकि इसका फोकस अपराधियों को शारीरिक रूप से अक्षम करने पर होता है, जिससे उनमें पुलिस का खौफ बना रहे।इस ऑपरेशन के कारण कई हिस्ट्रीशीटर अपराध छोड़कर सामान्य जीवन जीने लगे हैं। यह रणनीति अपराध नियंत्रण में प्रभावी मानी जा रही है।

ग्राफिक्स....

10 दिन में किसका-किसका एनकाउंटर?

- लखनऊ- रेप के आरोपी का एनकाउंटर
- गाजियाबाद- हत्या के आरोपी के पैर में लगी गोली
- शामली- गौ तस्कर के साथ मुठभेड़
- झांसी- इनामी बदमाश को लगी गोली
- बुलंदशहर- रेप के आरोपी का एनकाउंटर
- बागपत- लूट का आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा
- बलिया- फरार अपराधी को लगी गोली
- आगरा- चोरी के आरोपी का एनकाउंटर
- जालौन- डकैती के आरोपियों से हुई पुलिस की मुठभेड़
- उन्नाव- हिस्ट्रीशीटर का हुआ एनकाउंटर

बेसिक शिक्षा विभाग के सभी कार्यालयों में लागू होगा ई-ऑफिस

शिक्षा अधिकारी और बाबू नहीं कर पाएंगे धांधागर्दी, शिक्षकों का कम होगा उत्पीड़न

» लखनऊ/ स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग में ई-ऑफिस प्रणाली जल्द लागू हो सकती है। इससे विभाग के कामकाज में आसानी होगी और कई कार्य ऑनलाइन किए जा सकेंगे। शिक्षा निदेशक बेसिक प्रताप सिंह बघेल ने सभी बीएसए को पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं कि इस व्यवस्था को जल्द ही लागू किया जाए। बेसिक शिक्षा विभाग के सभी कार्यालयों में इस प्रणाली को एक साथ लागू किया जा सकता है। ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने से अधिकारी हो या फिर कर्मचारी फाइलों के टाल मटोल करने की प्रवृत्ति उन्हें भारी पड़ेगी।

किस अधिकारी के पास फाइल लंबित है और कितने समय से है। फाइल लौटाने का आधार क्या है। एक क्लिक से पूरा ब्योरा सामने आ जाएगा। जल्द ही जिले के बेसिक शिक्षा विभाग के सभी कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू होगी। इससे हर माह लाखों रुपये की बचत होगी। पेपरलेस कार्य पद्धति को बढ़ावा मिलेगा। कार्यों में तेजी के साथ ही पारदर्शिता भी आएगी।

ई-आफिस प्रणाली के फायदे

बढ़ेगी पारदर्शिता

हर फाइल पर नजर रखना आसान हो जाएगा। फाइल किस अधिकारी के पास रुकी है और इसकी वजह क्या है। इसका पता आसानी से चल जाएगा।

ई-आफिस प्रणाली में एक ही क्लिक पर सभी फाइलें सामने आ जाएंगी। इससे त्वरित निर्णय लेने में आसानी रहेगी।कार्य में भी सहूलियत रहेगी।

फाइल कहां रुकी है इसका आसानी से पता चल जाएगा। इससे अधिकारियों या फिर कर्मचारियों की जवाबदेही तय हो सकेगी।

सुरक्षित रहेगा विभाग का डाटा

डिजिटल हस्ताक्षर को लागू करने से फाइलों को सुरक्षित रखा जा सकेगा। इनके नष्ट होने की आशंका भी कम रहेगी।

ई-आफिस प्रणाली लागू होने से प्रत्येक विभाग को एक साल में पांच से सात लाख रुपये की बचत होगी। पेपर के प्रयोग में कमी आएगी।

कई बार सुविधा शुल्क की आस में कर्मचारी फाइलों को रोक लेते हैं लेकिन प्रणाली लागू होने से ऐसी कार्य पद्धति में सुधार आएगा।

ई-ऑफिस प्रणाली लागू होने से विभाग के विभिन्न कार्यों में आसानी होगी, जैसे कि दस्तावेजों का प्रबंधन, फाइलों का आदान-प्रदान और रिपोर्टिंग।

बेसिक शिक्षा मंत्री यूपी संदीप सिंह

पेपर दिलाने जा रहे भाई और बहन की सड़क हादसे में मौत

कल्याणपुर के पास तेज रफ्तार लोडर ने छीनी दो जिन्दगियां

» परीक्षा देने जा रही बहन की स्कूटी को मारी टक्कर, भाई-बहन की दर्दनाक मौत

» केसा चौराहे पर हुआ हादसा, एक घंटे तक तड़पते रहे मासूम

वरिष्ठ संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर के केसा हाउस चौराहे के पास बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार लोडर ने स्कूटी सवार भाई-बहन को जोरदार टक्कर मार दी। स्कूटी पर सवार मसवानपुर निवासी मोहम्मद अकील की बेटी अलशिफा (18) और बेटा तौहीद (15) परीक्षा देने जा रहे थे। अलशिफा नर्सिंग की छात्रा थी और तौहीद उसे सुबह करीब 5:30 बजे स्कूटी से निजी कॉलेज छोड़ने जा रहा था। तभी सामने से आ रहे लोडर ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे के बाद दोनों सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर तड़पते रहे, लेकिन किसी ने उन्हें अस्पताल पहुंचाने की कोशिश नहीं की।

राहगीरों ने दी सूचना, अस्पताल में दोनों को मृत घोषित किया गया

स्थानीय लोगों के अनुसार, दुर्घटना के बाद दोनों भाई–बहन करीब एक घंटे तक सड़क पर पड़े रहे। इस दौरान किसी तरह राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने दोनों को गंभीर हालत में सीएससी कल्याणपुर पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम

के लिए भेज दिया है। इस दिल दहला देने वाली घटना ने न केवल परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया है, बल्कि क्षेत्र में भी शोक और आक्रोश का माहौल है। अब लापरवाह ड्राइवर और ट्रैफिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

यूनाइटेड टीचर्स एसोसियेशन की कानपुर इकाई हुआ गठन

जिलाध्यक्ष शरद तिवारी व महामंत्री स्वप्निल वर्मा बनाये गये

शरद तिवारी

स्वप्निल वर्मा

वरिष्ठ संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। यूनाइटेड टीचर्स एसोसियेशन उप्र (यूटा) ने विस्तार करते हुए कानपुर इकाई का गठन किया है। इस लिए जिलाध्यक्ष शरद तिवारी व महामंत्री स्वप्निल वर्मा का मनोनयन किया गया है। दोनों शिक्षक घाटमपुर ब्लाक के विद्यालयों में नियुक्त है। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन उप्र कानपुर इकाई में प्रदेश संगठन के द्वारा घाटमपुर ब्लाक के गांव उच्च प्राथमिक विद्यालय कासिमपुर के शिक्षक शरद तिवारी को जिलाध्यक्ष कानपुर नगर तथा इसी ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय समुही खास के शिक्षक स्वप्निल वर्मा को जिला महामंत्री बनाया गया है। इनके अलावा जिला कार्यकारिणी में कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप कुमार पाण्डेय शिवराजपुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चन्द्रशेखर प्रजापति व रजनी शुक्ला को, उपाध्यक्ष सुदीप कुमार शर्मा को, संयुक्त मंत्री सुरेन्द्र कुमार को, संगठन मंत्री नीटू सचान को, कोषाध्यक्ष शशांक पटेल को व प्रचारमंत्री दयाराम को बनाया गया है। नव नियुक्त पदाधिकारियों का शिक्षकों ने जोरदार स्वागत किया और बधाई दी।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 73310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
● आई०सी०यू०/सी०सी०यू०।
● वेंटीलेटर, ए०बी०जी०ए०, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
● C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
● ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
● डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा
आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध सुविधाएं:– ए०बीजी०ए० मशीन
1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;च्प्ब्न्ध्छप्ब्न्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.

डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर
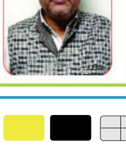
विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

खेती किसानी में पंजीकृत ट्रैक्टरों का धड़ल्ले से व्यवसायिक उपयोग

» एआरटीओ में उगाही तंत्र

» ट्रैक्टर व ट्रॉली के लिए हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट भी लग रही कागजों में

» चेकिंग के नाम पर परिवहन और यातायात विभाग के अधिकारी और कर्मी नियमों की उड़ा रहे धज्जियां

निर्मल तिवारी/स्वराज इंडिया

कानपुर। स्मार्ट सिटी के लगभग हर क्षेत्र, हर मोहल्ले, हर गली में आपको कहीं यदा कदा तो कहीं लगातार ट्रैक्टर चलते नजर आ जाएंगे। इनमें से अनुमानतः 90 से 95त्न ट्रैक्टर कृषि कार्य के लिए पंजीकृत हैं। लेकिन इनका धड़ल्ले से व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा है। अधिकांश ट्रैक्टर परिवहन और यातायात विभाग के सभी नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं लेकिन पता नहीं क्यों दोनों ही विभाग इन ट्रैक्टर को अनदेखा कर रहे हैं।बिना नंबर प्लेट शहर की सड़कों पर धड़ल्ले से दौड़ रहे यह ट्रैक्टर सरकार को तगड़ा राजस्व का चूना लगा रहे हैं।

ट्रैक्टर के बढ़ते उपयोग और बढ़ती दुर्घटनाओं ने सरकार का ध्यान खींचा और फिर तय किया गया कि कृषि कार्य से इतर यदि ट्रैक्टर का अन्य व्यावसायिक कार्यों में उपयोग होता है तो ट्रैक्टर और ट्राली दोनों का व्यवसायिक रजिस्ट्रेशन अनिवार्य रूप से कराना होगा। व्यावसायिक ट्रैक्टर का अन्य व्यावसायिक वाहनों की भांति रोड टैक्स भी देना होगा और नियमानुसार फिटनेस प्रक्रिया से भी गुजरना होगा। हम सब जानते हैं कि कृषि उपयोग वाले ट्रैक्टर से पंजीकरण शुल्क न के बराबर लिया जाता है तो वहीं रोड टैक्स देने की आवश्यकता नहीं है और ना ही उनके लिए फिटनेस का कोई झंझट है।

इस साल की शुरुआत में ही उत्तर प्रदेश सरकार ने ट्रैक्टर के साथ ट्राली के लिए भी मानक तय किया और स्थानीय आरटीओ प्रशासन को जिम्मेदारी दी कि मानकों के अनुरूप ट्राली निर्माता का भी पंजीयन हो और पंजीकृत ट्राली निर्माता द्वारा मानक अनुसार निर्मित ट्राली का ही पंजीकरण किया जाए। इसके साथ ही ट्रैक्टर व ट्रॉली के लिए हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगना भी अनिवार्य कर दिया गया।

लेकिन सरकार की सारी कवायद कानपुर आरटीओ के लचर रवैये के चलते हवा हवाई होती नजर आ रही है। कानपुर नगर में जितनी बड़ी संख्या में व्यावसायिक ट्रैक्टर का उपयोग हो रहा है, उसके सापेक्ष शहर में व्यावसायिक ट्रैक्टरों की सूत्रों के हवाले से मिली संख्या नगण्य नजर आ रही है।

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

जरा समझिए	कृषि कार्य हेतु	व्यवसायिक कार्य हेतु
ट्रैक्टर पंजीकरण शुल्क	न के बराबर	अन्य व्यवसायिक वाहनों की भाँति शुल्क देय
ट्राली पंजीकरण शुल्क	देय नहीं	अन्य व्यवसायिक वाहनों की भाँति ट्राली का भी पंजीकरण
रोड टैक्स	देय नहीं	व्यवसायिक वाहनों की भाँति ट्राली व ट्रैक्टर का रोड टैक्स देय
फिटनेस	अनिवार्य नहीं	फिटनेस अनिवार्य

शहर में कुल पंजीकृत ट्रैक्टर

कृषि कार्य हेतु	25305
व्यवसायिक कार्य हेतु	1424
व्यवसायिक कार्य हेतु ट्राली	1485

*सूत्रो द्वारा बताई गई जानकारी पर आधारित।
**एक व्यवसायिक ट्रैक्टर के साथ एक से अधिक ट्राली का रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है।

कहां-कहां हो रहा उपयोग

कानपुर नगर में सबसे ज्यादा ट्रैक्टर का उपयोग बिल्डिंग मेटेरियल के काम में हो रहा है। ईट भट्ठा मालिक पहले ईट ढोने के लिए हाफ डाला ट्रक का इस्तेमाल करते थे। लेकिन वर्तमान समय में इस काम में ट्रैक्टर ट्राली का उपयोग किया जा रहा है। मौरंग, गिट्टी ढुलाई में भी बहुत बड़ी संख्या में ट्रैक्टर ट्राली का उपयोग किया जा रहा है। इसी प्रकार नव विकसित हो रहे क्षेत्र में बिल्डिंग मेटेरियल सप्लायर मौरंग, गिट्टी, सीमेंट आदि ढोने के लिए ट्रैक्टर का ही उपयोग कर रहे हैं। अनाज ढोनेके लिए भी ट्रैक्टर का व्यवसायिक उपयोग हो रहा है। इसके साथ ही शहर में चल रही विभिन्न परियोजनाओं में भी ट्रैक्टर ट्राली का उपयोग हो रहा है। हम फिलहाल मान कर चलते हैं शहर में केस्को, नगर निगम, मेट्रो कॉरपोरेशन, हाईवे अथॉरिटी आदि सभी जगह अनुबंधित ट्रैक्टर का व्यवसायिक पंजीकरण अवश्य होगा। लेकिन सूत्रों से हमारी जानकारी के अनुसार शहर में मात्र 1424 ट्रैक्टर ही व्यावसायिक कार्यों के लिए पंजीकृत हैं। कानपुर जैसे शहर में मात्र 1424 ट्रैक्टर व्यावसायिक उपयोग के लिए पंजीकृत होना ही संकेत है कि शहर में बड़ी संख्या में कृषि कार्य हेतु पंजीकृत ट्रैक्टर का व्यवसायिक उपयोग हो रहा है।

कृषि वाहन दिखाकर टैक्स की हो रही चोरी

ट्रैक्टर का नाम आते ही दिमाग में जो सबसे पहला वाक्य आता है वह है किसान का सच्चा मित्र। ट्रैक्टर के उपयोग ने भारत में न केवल खेती की तस्वीर बदल दी बल्कि किसानों की तकदीर भी बदल दी। समय से जुताई, समय से बुवाई, समय से सिंचाई, और समय से फसल की कटाई तक ट्रैक्टर ने किसान की हर मुश्किल आसान कर दी। लंबे समय तक ट्रैक्टर कृषि कार्य की सीमाओं में ही बंधा रहा। गांव, कस्बे की बाजार की लक्ष्मण रेखा से बंधा रहा। कभी अगर लक्ष्मण रेखा पार भी की तो मात्र फसल को शहर की मंडी तक पहुंचाने के लिए, हां अपवाद स्वरूप फसल कटकर आने के बाद कई बार बारात भी ट्रैक्टर से गई, लेकिन उसकी मंजिल भी कोई गांव ही रहा। लेकिन 21वीं सदी जो कि तकनीक की सदी है, इस सदी में ट्रैक्टर निर्माण में भी नई-नई तकनीक आई और ट्रैक्टर अब मात्र किसान का ही सच्चा हितैषी नहीं रहा और ना ही गांव कस्बे की सीमाओं तक सीमित रहा। अब ट्रैक्टर माल ढुलाई का भी एक आदर्श साधन बन गया। किसान के साथ साथ ट्रैक्टर व्यापारी, उद्यमी सभी का साथी हो गया। कृषि कार्य के साथ ही ट्रैक्टर का धड़ल्ले से व्यावसायिक उपयोग भी होने लगा।

कानपुर में गरमाया कमिश्नर बनाम वकील विवाद

शिवांक अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

» एक वकील ने पुलिस कमिश्नर पर ठोका मानहानि का केस

» अधिवक्ता ने मांगा 25 लाख का हर्जाना, कोर्ट में शुरू हुई सुनवाई

» फर्जी डिग्री के आरोप से सामाजिक छवि धूमिल करने का भी आरोप

कानपुर। जिला कानपुर में एक हाई-प्रोफाइल कानूनी टकराव सामने आया है, जहां अधिवक्ता आशीष शुक्ला ने पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार और अधिवक्ता अरिदमन सिंह के खिलाफ सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में मानहानि का वाद दायर किया है। आशीष शुक्ला का कहना है कि वह समाज में एक प्रतिष्ठित स्थान रखते हैं, लेकिन उनके ऊपर फर्जी डिग्री से वकालत करने का आरोप लगाकर उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुँचाया गया है। इस मामले में उन्होंने 25 लाख रुपये (12.50-12.50 लाख प्रत्येक) की क्षतिपूर्ति की मांग की है।

शुक्ला ने आरोप लगाया कि यह आरोप एक साजिश के तहत लगाए गए, जिससे उनकी पेशेवर और सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुँची। मंगलवार को इस मामले में बार एसोसिएशन अध्यक्ष इंदीवर वाजपेई ने अदालत में पुलिस कमिश्नर की ओर से पक्ष प्रस्तुत किया।

13 दिन बाद हुई एफआईआर, शुक्ला की आशंका हुई सच

अधिवक्ता आशीष शुक्ला ने अदालत में दायर अपने वाद में यह स्पष्ट किया था कि उन्हें आशंका है कि उनके खिलाफ साजिशन फर्जी डिग्री के आरोप में शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। और हुआ भी यही — केस दाखिल करने के 13 दिन बाद उनके खिलाफ उक्त आरोप में एफआईआर दर्ज हो गई। उन्होंने स्पेसिफिक रिलीफ एक्ट के तहत डेक्लेरेशन सूट दाखिल किया था, जिसमें उन्होंने अपनी स्थिति स्पष्ट करने और प्रतिष्ठा की रक्षा की मांग की थी। इस पूरे मामले को अदालत ने गंभीरता से लिया है और फिलहाल वाद विचाराधीन है। अगली सुनवाई 24 जुलाई को तय की गई है। अधिवक्ता का दावा है कि यह पूरा घटनाक्रम एक योजनाबद्ध चरित्र हनन का हिस्सा है, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अन्य व्यक्ति शामिल हैं।

खास खबर

डॉ. अनुष्का ने माना- किया था इंजीनियरों को हेयर ट्रांसप्लांट

» सामान्य महिला बंदी गृह में गुजारी रात

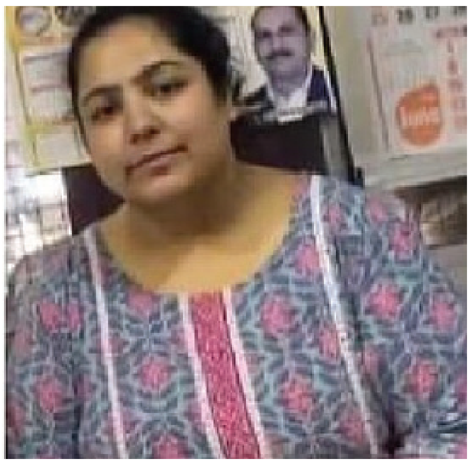

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मैं एक निजी कॉलेज से डिप्लोमा करने के बाद वर्ष 2019 से हेयर ट्रांसप्लांट कर रही हूं। पनकी पॉवर प्लांट में तैनात सहायक अभियंता विनीत दुबे और इंजीनियर मयंक कटियार का मैंने ही केशवपुरम स्थित इंपायर क्लीनिक में हेयर ट्रांसप्लांट किया था। यह क्लीनिक यहां तीन माह पहले ही शिफ्ट किया गया है। इससे पहले कल्याणपुर के आवास विकास में क्लीनिक था, जहां हेयर ट्रांसप्लांट किया जाता था।

एफआईआर दर्ज होने के बाद से परिवार के साथ फरार हो गई थी। यह बातें डॉ. अनुष्का ने मंगलवार को जेल में दर्ज कराए गए बयान में कहीं। हेयर ट्रांसप्लांट के बाद दो इंजीनियरों की मौत के मामले में जेल में बंद डॉ. अनुष्का के बयान दर्ज करने के लिए मंगलवार को पुलिस ने कोर्ट से अनुमति मांगी थी। अनुमति मिलने के बाद विवेचक जेल पहुंचे और अनुष्का के बयान दर्ज किए।

कई और अहम सवालों से उठेगा पर्दा

पुलिस उसके बयानों को विवेचना में शामिल करेगी। डीसीपी (पश्चिम) दिनेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि अनुष्का ने इस बात को स्वीकार किया है कि वह वर्ष 2019 से हेयर ट्रांसप्लांट कर रही है। डॉक्टर ने हेयर ट्रांसप्लांट का डिप्लोमा होने की बात भी बताई है। हालांकि यह डिप्लोमा कहां से लिया गया है, इसके बारे में वह नहीं बता सकी। डीसीपी के मुताबिक इसी आधार पर बुधवार को डॉ. अनुष्का का पुलिस कस्टडी रिमांड कोर्ट से मांगा जाएगा। रिमांड के बाद कई और अहम सवालों से पर्दा उठेगा।

सरेंडर से पहले अनुष्का बोली थी, नहीं किया ट्रांसप्लांट

अनुष्का अभी तक हेयर ट्रांसप्लांट न करने की बात कहती आई है। पुलिस को भेजे गए जवाब और अग्रिम जमानत अर्जी दोनों में अनुष्का ने दावा किया था कि विनीत दुबे उनकी क्लीनिक में दांत का इलाज करने आए थे। उन्होंने बालों के संबंध में सलाह ली थी। इसके बाद विनीत दुबे ने हेयर ट्रांसप्लांट डॉ. सिंह व सर्जन मनीष कुमार से बर्रा स्थित एक चैरिटेबल अस्पताल में कराया था। अस्पताल में लापरवाही हुई होगी। उन्हें फंसाया जा रहा है। ऐसे में डॉ. अनुष्का ने कोर्ट को भी गुमराह करने का काम किया है।

हेयर ट्रांसप्लांट मामले कमेटी ने रिपोर्ट सौंपी, अभी है अधूरी

हेयर ट्रांसप्लांट की जांच के लिए बनी स्वास्थ्य कमेटी ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट सीएमओ को सौंप दी। फिलहाल रिपोर्ट सिर्फ निजी अस्पताल की ओर से भेजे गए दस्तावेजों के आधार बनाई गई है। इसमें विनीत की मौत दवाओं, केमिकल रिएक्शन (एनाफिलैक्टिक शॉक), प्रोसीजर के दौरान ओटी में संक्रमण होने पर सेप्टिक शॉक से होने की आशंका की पुष्टि की गई है।

मल्टीऑर्गन फेल्योर होने की भी संभावना

इसी से मल्टीऑर्गन फेल्योर होने की भी संभावना दर्शाई है। हालांकि इसे स्वास्थ्य विभाग और खुद कमेटी भी अभी मुकम्मल नहीं मान रही है। इनका मानना है कि इसमें अनुष्का का बयान, इंपायर क्लीनिक का निरीक्षण और विसरा रिपोर्ट को लगाया जाए, तभी यह रिपोर्ट पूरी मानी जाएगी।

बिजली चोरी के लिए लगाए डुप्लीकेट मीटर

औसत से काफी कम आता है बिल, केस्को ने जांच के लिए भेजा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में बिजली विभाग और बिजली चोरों के बीच तू डाल-डाल, मैं पात-पात वाली स्थिति बनी हुई है। बिजली चोरी को रोकने के लिए विभाग ने कुछ कंपनियों को स्मार्ट मीटर लगाने का जिम्मा दिया है। हालांकि शातिर इन्हीं कंपनियों के डुप्लीकेट मीटर लगाकर धड़ल्ले से बिजली चोरी कर रहे हैं। केस्को विजिलेंस विभाग के छापों में दो घरों में डुप्लीकेट स्मार्ट मीटर पकड़े गए हैं। अब केस्को ने स्मार्ट मीटरों की जांच शुरू कराने का फैसला लिया है।

शहर में स्मार्ट मीटर लगाने का काम पिछले वर्ष नवंबर से शुरू हुआ था। उस समय करीब 7.50 लाख स्मार्ट मीटर लगाने का काम जीनस और एलएंडटी को दिया गया था। इसका उद्देश्य बिजली चोरी को रोकना था, लेकिन बीते वित्तीय वर्ष में चमनगंज में सबसे ज्यादा बिजली चोरी मिली। इसके बाद से ही चमनगंज क्षेत्र में बिजली चोरी रोकने के लिए केस्को व विजिलेंस टीम मिलकर अप्रैल से अभियान चला रही हैं।

छापे के दौरान टीम को चमनगंज के दो घरों में ऐसे मीटर मिले जो केस्को की चयनित कंपनी जीनस के थे। हालांकि नाम भले ही जीनस था, लेकिन यह डुप्लीकेट थे। इन घरों में बिजली चोरी की जा रही थी। केस्को के एक अधिकारी के मुताबिक दोनों मामलों में बिजली चोरी की एफआईआर हो गई है। पकड़े गए डुप्लीकेट स्मार्ट मीटर के मामले में भी तहरीर दी गई है।

डुप्लीकेट स्मार्ट मीटरों को जांच के लिए भेजा

चमनगंज में कैसे पहुंचा जीनस के नाम का मीटर केस्को की विजिलेंस टीम के मुताबिक जीनस कंपनी को शहर में अन्य इलाकों में मीटर लगाने का काम सौंपा गया है। चमनगंज में इस कंपनी के नाम का मीटर मिलना आश्चर्यजनक है। यह असली मीटर न होकर डुप्लीकेट है। इससे बिजली की यूनिट काफी धीमी चलती है, ऐसे में बिल औसत से काफी कम आता है। फिलहाल दोनों डुप्लीकेट स्मार्ट मीटरों को केस्को ने जांच के लिए भेजा है।

सम्पादकीय

नाकामी की सजा पूरे परिवार को क्यों

हरियाणा के पंचकूला में उत्तराखंड से आए एक परिवार की सामूहिक आत्महत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को गहरे तक झकझोर कर रख दिया। एक कार में नाकाम बेटे ने मां-बाप,पत्नी, दो किशोर बेटियों व एक बेटे के साथ जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पूरे परिवार के खत्म होने के बाद कुछ समय के लिए जीवित बचे व्यक्ति ने चश्मदीद को बताया कि वह कर्ज में डूब गया था, कोई रास्ता नजर न आता देख सामूहिक आत्महत्या का निर्णय लिया। पुलिस के पहुंचने व चिकित्सीय प्रयासों के बावजूद परिवार में किसी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका। निश्चय ही यह दुखद घटना हर इंसान को उद्वेलित करती है। लेकिन यह भयावह घटना तमाम सवालों को जन्म देती है। आखिर इंसान कैसे सोच लेता है कि आत्महत्या कर लेना संकट का अंतिम समाधान है? जब व्यक्ति में जोखिम से उपजे संकट से जूझने का सामर्थ्य नहीं है तो भारी कर्जा उठाना कितना तार्किक है? महत्वपूर्ण सवाल यह भी कर्ज से हारे व्यक्ति को ये अधिकार किसने दे दिया कि वो अपने साथ दो पीढ़ियों को सदा के लिये खत्म कर दे? कैसे कोई व्यक्ति अपनी नाकामी की सजा मां-बाप, पत्नी व बच्चों को दे सकता है? यह कल्पना करनी भी भयावह है कि अपना अधिकांश जीवन जी चुके मां-बाप, तीन बच्चों को जन्म देने वाली मां तथा सुखी भविष्य की कल्पना के साथ जीवन की पारी की शुरुआत करने वाले बच्चों ने जहर खाना सहज स्वीकारा होगा। यदि उन्हें यह जहर बिना बताए भी दिया गया होगा तो भी जहर की पीड़ा ने उन्हें तड़फाया भी होगा। अकसर ऐसे मामलों में पूरे परिवार को मौत की राह में ले जाने वाले आत्मघाती व्यक्ति के मन में यह भय भी होता है कि उसके जाने के बाद उसके परिवार का क्या होगा? कहीं उसके लिये कर्ज की सजा परिवार को तो नहीं मिलेगी?निस्संदेह, एक परिवार का यूं जहर खाकर आत्महत्या करना हमारी सामाजिक व्यवस्था में आई विद्रूपताओं की ओर इशारा करता है। जिस भी बैंक या व्यक्ति से आत्महत्या करने वाले परिवार के मुखिया ने कर्ज लिया था, निश्चय ही वहां से उसे किसी भी तरह की राहत की उम्मीद नजर नहीं आई होगी। लेकिन सवाल उठता है कि क्या उसे अपने मित्रों व रिश्तेदारों से भी किसी राहत की उम्मीद नहीं थी? कहा जाता है कि पड़ोसी व मित्र ही संकट के समय में मददगार होते हैं। तो क्या माना जाना चाहिए कि आज हमारे रिश्ते महज दिखावे के रह गए हैं? आखिर विवाह समारोह समेत तमाम अवसरों पर जुटने वाली लोगों की भीड़ केवल महज खाने-पीने तक की ही दोस्त होती है? क्या नैतिक दायित्व नहीं बनता कि संकट में फंसे व्यक्ति के नाते रिश्तेदार या मित्र मदद करें? बहरहाल, गत सोमवार को घटी घटना के सभी तथ्य सामने आने में अभी वक्त लगेगा और घटनाक्रम से जुड़ी अन्य जानकारियां भी सामने आएंगी। लेकिन यह एक हकीकत है कि एक कर्ज से हारा हंसता-खेलता परिवार हमेशा-हमेशा के लिये चिरनिद्रा में सो गया है। लेकिन यह दुखांत हमें कई सबक दे गया है। पहला तो यही कि हमें कर्ज उसी सीमा तक लेना चाहिए, जिस सीमा तक हम चुकाने की सामर्थ्य रख सकें। कोई भी जोखिम यदि हम व्यापार में उठाएं तो उसके तमाम नकारात्मक पहलुओं पर जरूरी विचार करें। उसके बुरे से बुरे परिणाम के बारे में आकलन करें लेकिन जरूरी नहीं हर जोखिम लाभदायक ही साबित हो। हमें अपनी सामर्थ्य और देशकाल परिस्थितियों का पूरा आकलन करके ही कदम उठाना चाहिए। , जो हमें संकट से जूझने का सामर्थ्य देता था। कभी संयुक्त परिवार हमें ऐसे संकट से निबटने की ताकत ही नहीं देते थे, बुरे वक्त में मदद भी करते थे।

ऑपरेशन सिंदूर के निष्कर्षों से सीखें सबक

मनमोहन बहादुर

हालांकि एस-400 सरफेस टू एयर मिसाइल (सैम) प्रणाली ने मुख्यतः मीडिया की सुर्खियां बटोरी हैं, लेकिन यह स्वदेशी राडार, सरफेस टू एयर मिसाइलें और काउंटर मानवरहित हवाई प्रणाली, जिनसे हमारी जमीनी वायु रक्षा की रीढ़ बनी है, इसकी बढ़िया कारगुजारी ने स्वदेशी हथियारों का महत्व उजागर किया है।ऑपरेशन सिंदूर का अचानक यूं खत्म होना एकदम अप्रत्याशित था -वास्तव में, यह किसी परीक्षा-पत्र में 'पाठ्यक्रम से इतर' आए सवाल की तरह रहा! हालांकि, अच्छा हुआ कि पूर्ण पैमाने का युद्ध टल गया और उम्मीद करें कि संघर्ष विराम का आगे उल्लंघन नहीं होगा। भले ही सशस्त्र बल हमारी सीमाओं पर सतर्क नज़र रखे हुए हों, तथापि कुछ निष्कर्ष ऐसे हैं जो समीक्षा के रूप में निकाले जा सकते हैं।सर्वप्रथम, मौजूदा सेना के रिवायती त्रि-सेवा तंत्र ने रणभूमि कमान के बिना भी काम कर दिखाया है।

इसलिए, 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए नरसंहार और 7 मई को आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने के बाद तीन दिन चले हमलों की शुरुआत होने के बीच की अवधि में थल और वायुसेना ने बड़ी विशेषज्ञता से संयुक्त योजना की रूपरेखा तय कर इनके परिणाम दिए। पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों के हमले निरंतर, तीव्र और सघन थे और हमारी प्रतिक्रियाएं भी समान रहीं, लगभग सभी पाकिस्तानी प्रक्षेपास्त्र (यूएवी, मिसाइल, सशस्त्र और बिना हथियार वाले ड्रोन) सफलतापूर्वक गिरा लिए गए, इसका श्रेय भारतीय वायुसेना के स्वदेश विकसित एकीकृत वायु कमान एवं नियंत्रण प्रणाली (आईएसीसीएस) को जाता है, जो सभी सैन्य और नागरिक राडार जनित समग्र सूचना को एकीकृत स्क्रीन पर संश्लेषित कर दिखा देता है। यह प्रणाली लक्ष्यों से पैदा होने वाले खतरों का इलेक्ट्रॉनिक आकलन करके, युद्ध नियंत्रक द्वारा प्राथमिकता के आधार पर जो भी हथियार प्रणाली सबसे उपयुक्त हो, उसका इस्तेमाल कार्रवाई करने का आदेश देती है।दूसरा, चार दिनों तक चले आपसी टकराव मुख्यतः पूरी तरह से न सही, हवाई माध्यम से चोट पहुंचाने वाले रहे। यह टकराव एक ऐसे सघन वायु रक्षा प्रणाली से लैस इलाके में हुए, जहां दोनों पक्ष वार-प्रतिवार की हवाई लड़ाई लड़ रहे थे, यह स्थिति इराक, अफगानिस्तान और सीरिया में पश्चिमी ताकतों द्वारा और गाज़ा एवं लेबनान पर इस्राइलियों द्वारा की गई हवाई बमबारी से उलट थी, जहां उन्हें अपने अभियानों में विरोधियों के हवाई हमला निरोधक उपायों का सामना नहीं करना पड़ता। स्वाभाविक है युद्ध में नुकसान भी होता है और यह संघर्ष की एक अनन्य प्रकृति है कि आक्रामक पक्ष को कुछ नुकसान झेलना ही पड़ता है, निश्चित रूप से भारतीय वायुसेना इसका भी आलोचनात्मक विश्लेषण करेगी। हालांकि, भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रनों की घटती संख्या और वायु-शक्ति के बारे में काफी खबरें आती रही हैं और चूंकि हमारी सीमाएं आगे भी सक्रिय रहेंगी, इसलिए भारतीय वायुसेना की प्रहारक क्षमता बनाए रखने पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। हथियार प्रणाली, एन्क्रिप्टेड संचार और प्रहारक क्षमता जैसे कि एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम, एरियल फ्लाइट रिफ्यूलर और अत्याधुनिक अस्त्रास्त्र जैसी प्रणालियों की जरूरतों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। अंतिम विश्लेषण में यह याद रखना चाहिए कि यह एक अन्य उदाहरण रहा, जब वायु शक्ति की प्रभावशीलता ने शांति स्थापना की दिशा में राजनीतिक और कूटनीतिक वार्ता की राह प्रशस्त की।तीसरा, हालांकि एस-400 सरफेस टू एयर मिसाइल (सैम) प्रणाली ने मुख्यतः मीडिया की सुर्खियां बटोरी हैं, लेकिन यह स्वदेशी राडार, सरफेस टू एयर मिसाइलें और काउंटर मानवरहित हवाई प्रणाली, जिनसे हमारी जमीनी वायु रक्षा की रीढ़ बनी है, इसकी बढ़िया कारगुजारी ने स्वदेशी हथियारों का महत्व उजागर किया है। गौरतलब है कि यह क्षमता डीआरडीओ और निजी क्षेत्र के सम्मिलित उद्यम से बनी है। और वास्तव में यह बहुत उत्साहजनक है।

बेमौसम बरसात से बिगड़े कृषि समीकरण

समय से पहले मानसून

पंकज चतुर्वेदी

समय से पहले मानसून का आना मौसम के पैटर्न में एक व्यवधान का संकेत हो सकता है, जो कृषि से लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे तक कई क्षेत्रों में अनपेक्षित और नकारात्मक परिणाम पैदा कर सकता है।

कहते हैं, जब जेठ तपता है, तब आषाढ़ बरसता है और सावन-भादों में झड़ी लगती है। लेकिन इस वर्ष नौतपा में, जब देश को गर्मी से झुलसना चाहिए था, तब तो जैसे सावन ही आ गया हो– बारिश की झड़ी लग गई। मौसम वैज्ञानिक इसे मानसून-पूर्व वर्षा मानते रहे, परंतु चुपके से कर्नाटक, महाराष्ट्र और केरल में मानसून की बयार समय से पहले ही दस्तक दे गई।

हमारे देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना मानसून पर गहराई से निर्भर है। इस वर्ष केरल में मानसून 24 मई को, यानी सामान्य तिथि से आठ दिन पहले पहुंच गया। कर्नाटक और मुंबई में भी 26 मई को मानसून ने समय से पहले ही दस्तक दे दी।हालांकि इस असामयिक बारिश ने गर्मी से राहत जरूर दी, लेकिन यदि जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून यूं ही अनियमित होता रहा, तो देश के कई आर्थिक और कृषि संबंधी समीकरण बिगड़ सकते हैं। भारत में जलवायु की मुख्यतः तीन अवस्थाएं मानी जाती हैं – मानसून-पूर्व, मानसून और मानसून-पश्चात। इसी कारण भारत की जलवायु को 'मानसूनी जलवायु' कहा जाता है। देश की खेती, हरियाली और वर्ष भर के जल संसाधनों की व्यवस्था इसी बरसात पर निर्भर करती है।भारतीय मानसून मुख्यतः गर्मियों के दौरान वायुमंडलीय परिसंचरण में होने वाले परिवर्तनों पर आधारित होता है।

जैसे ही गर्मी की शुरुआत होती है, सूर्य उत्तरायण हो जाता है। सूर्य के उत्तरायण के साथ-साथ अंतःउष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र का भी उत्तर की ओर स्थानांतरण होने लगता है। इसके प्रभाव से पश्चिमी जेट स्ट्रीम हिमालय के उत्तर में प्रवाहित होने लगती है, जिससे मानसून की स्थितियां बनती हैं।वर्तमान में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भारत में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सर्दियों में 'अल-नीनो' और अन्य मौसमों में 'ला नीना' जैसी वैश्विक मौसमी घटनाएं भारत के मानसून-तंत्र को प्रभावित कर रही हैं, जिससे मानसून का समय और स्वरूप दोनों ही अस्थिर हो रहे हैं।

इस साल बहुत पहले और बरसात का प्रमुख कारण समुद्री सतह के तापमान में वृद्धि माना जा रहा है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में समुद्री सतह का तापमान सामान्य से अधिक हो जाने से मानसून जल्दी शुरू हो सकता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण महासागरों का तापमान बढ़ रहा है, जिससे वायुमंडल में नमी बढ़ती है और बादल जल्दी बनते हैं। वैश्विक तापमान बढ़ने के चलते यूरेशिया और हिमालय में बर्फ का कम होना और तेजी से पिघलने ने भी जल्दी बरसात को बुलावा दिया है। बर्फ की कमी से जमीन जल्दी गर्म हो जाती है, जिससे कम दबाव का क्षेत्र मजबूत होता है, जो मानसूनी हवाओं को अपनी ओर खींचता है और मानसून को जल्दी ला सकता है।जल्दी मानसून के कुछ वैश्विक कारक भी हैं। अल नीनो की तरह इनमें से एक मैडेन-जूलियन ऑसिलेशन हिंद महासागर में बादलों और बारिश को प्रभावित करने वाली एक वैश्विक मौसमी घटना है। इसके अनुकूल चरण (चरण-3 और चरण-4 की शुरुआती गतिविधि) मानसूनी हवाओं के लिए अनुकूल परिस्थितियां बना सकते हैं और मानसून को जल्दी ला सकते हैं। एक अन्य कारण वैश्विक कारक सोमाली जेट है। मॉरीशस और मेडागास्कर के पास से निकलने वाली एक प्रमुख निम्न-स्तरीय पवन धारा – मई 2025 में तीव्र हो गई। यह जेट अरब सागर के पार केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र सहित भारत के पश्चिमी तट पर नमी से भरी हवा पहुंचाता है। इस साल इसकी असामान्य ताकत मानवजनित प्रभावों के कारण प्रतीत होती है।किसानों को अक्सर मानसून के एक निश्चित समय पर आने की उम्मीद होती है। मानसून जल्दी आ जाता है, तो वे खेत तैयार करने, बुवाई करने या सही फसल का चुनाव करने के लिए तैयार नहीं हो सकते हैं।

नौतपा
भीषण गर्मी से कैसे बचें

बचने के लिए जरूर करें ये काम, वरना पड़ सकते हैं लेने के देने

अगर आप भी नौतपा में गर्मी के भयंकर प्रकोप से बचना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप गर्मी के प्रकोप से खुद को बचा सकते हैं इस बार 25 मई से नौतपा शुरू होकर 03 जून तक चलेगा। इन 9 दिनों में भीषण गर्मी पड़ती है। ऐसे में सभी लोगों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के जरूरत होती है। वरना लेने के देने पड़ सकते हैं। इसलिए इन 9 दिनों तक आपको अपने घर में रहने का प्रयास करना चाहिए। ऐसे में अगर आप भी नौतपा में गर्मी के भयंकर प्रकोप से बचना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप गर्मी के प्रकोप से खुद को बचा सकते हैं।

» अधिक पानी पिएं

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो गर्मियों में ज्यादा से ज्यादा पानी पीकर अपने शरीर को हाइड्रेटेड रखने की सलाह देते हैं। वहीं आपने यदि नौतपा के दौरान इस टिप को फॉलो नहीं किया, तो आपको पछताना पड़ सकता है। भीषण गर्मी से बचने के लिए आपको थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीते रहें। वहीं अगर आप इन दिनों कहीं यात्रा करने वाले हैं, तो आपको साथ में पानी की बोतल जरूर रखनी चाहिए।

» हेल्दी खान-पान

गर्मी के मौसम में आपको अपने डाइट में मौसमी फलों को जरूर शामिल करना चाहिए। नौतपा के दौरान आपको अपनी डाइट में अपनी ऐसी चीजों को शामिल करना चाहिए, जिनके अंदर अच्छी-खासी पानी की मात्रा पाई जाती हो। इस दौरान आपको तरबूज, खरबूज, संतरा, अंगूर, अनानास और खीरे आदि को खाना चाहिए।

» हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स

गर्मी के भीषण प्रकोप से बचने के लिए नारियल पानी का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा बहुत सारे लोग गर्मियों में सत्तू के शरबत का सेवन कर अपने शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचा सकते हैं। इसके साथ ही आप बेल का शरबत, छाछ, नींबू पानी, लस्सी और अन्य हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स को डाइट में शामिल कर सकते हैं।

पीएम मोदी के कार्यक्रम को लेकर सीएम योगी ने डाला डेरा

अनूप अवस्थी/ स्वराज इंडिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर पहुंच कर की कड़ी समीक्षा बैठक, जनसभा स्थल का किया निरीक्षण

» 30 मई को है प्रधानमंत्री का प्रस्तावित कार्यक्रम

» खुर्जा, ओबरा और जवाहरपुर थर्मल पावर प्लांट का भी होगा लोकार्पण/ शिलान्यास

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज बुधवार को कानपुर पहुंचे। 30 मई 2025 को प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा के दृष्टिगत स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री द्वारा चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) परिसर में स्थित संयुक्त आयुक्त उद्योग के सभागार में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के दृष्टिगत जनपद के आला अधिकारियों व जन प्रतिनिधियों के अतिरिक्त पार्टी पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की समीक्षा। बैठक के दौरान योगी के समक्ष जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा तैयारियों को लेकर प्रस्तुतीकरण किया गया।

श्रमिकों, सेवानिवृत कर्मचारियों / अधिकारियों,सफाई कर्मचारी, स्कूल के मेधावी छात्र-छात्राओं पार्षदों व अन्य सरकारी और गैर सरकारी संगठनों के लोगों को कभी - कभी मेट्रो की फ्री यात्रा इवेंट के रूप में करवाएं, जिससे लोगों को यह बताया जा सके कि मेट्रो पब्लिक ट्रांसपोर्ट का सबसे अच्छा साधन है, इसके लिए लोगों को जागरूक करें।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा खुर्जा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की एक यूनिट, ओबरा थर्मल पावर प्लांट की दो यूनिट एवं जवाहरपुर थर्मल पावर स्टेशन की दो यूनिटों का लोकार्पण/शिलान्यास प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कराए जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उक्त तीनों पॉवर प्लांट की पांच इकाइयों के प्रारंभ हो जाने से प्रदेशवासियों को अधिक से अधिक विद्युत आपूर्ति की जा सकेगी जोकि मील का पत्थर साबित होगा।मुख्यमंत्री द्वारा कार्यक्रम में पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित कराया जाने के निर्देश दिए गए। कहीं भी जाम न लगने पाए और पार्किंग स्थलों पर बेतरतीब वाहन न खड़े हों, जिससे लोगों को असुविधाओं का सामना करना पड़े। पेयजल, साफ- सफाई, यूरिनल इत्यादि की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने मेट्रो और के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे बैठक में मुख्यमंत्री के साथ सांसद अकबरपुर देवेंद्र सिंह भोले, महापौर प्रमिला पांडेय, विधायक नीलिमा कटियार, विधायक सुरेंद्र मैथानी, विधायक राहुल बच्चा सोनकर, मंडलायुक्त के विजयेंन्द्र पंडियन, पुलिस आयुक्त अखिल कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक आलोक सिंह,जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन समेत संबंधित विभागों के अन्य संबंधित आलाधिकारी उपस्थित रहें।

थर्मल पावर प्लांट की विशेषताएं

खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्लांट
स्थान-बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश.
ऊर्जा उत्पादन- 1320 मेगावाट.
प्रकार-कोयला आधारित सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट.
संबंधित कंपनी-टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड.

ओबरा थर्मल पावर स्टेशन
सोनभद्र, उत्तर प्रदेश.
ऊर्जा उत्पादन- 1660 मेगावाट.
प्रकार- थर्मल पावर स्टेशन.
संबंधित कंपनी-उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड.

जवाहरपुर थर्मल पावर स्टेशन
एटा, उत्तर प्रदेश.
ऊर्जा उत्पादन-1320 मेगावाट.
प्रकार- सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन.
संबंधित कंपनी- जवाहरपुर विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (JUVNL).

तिरंगा यात्रा निकालते हुए जनसभा पहुंचेंगे भाजपा कार्यकर्ता

कानपुर। 30 मई तक जनपद में जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों को नगर निगम के साथ मिलकर स्वच्छता का विशेष इवेंट चलाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़के साफ- सुथरी हों, कहीं भी झाड़ी ना हो। जिस अधिकारी की जहां ड्यूटी लगाई गई है, वहां रहकर वह कार्य आवंटन का बखूबी निर्वहन करें। उन्होंने 30 मई को जनप्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि लोग उस दिन भारत के शौर्य एवं पराक्रम का गुणगान कर तिरंगा यात्रा निकालते हुए जनसभा स्थल तक पहुंचे, जो राष्ट्रीयता के भाव के साथ निकाला जाए ना कि अनर्गल नारों के साथ। 30 मई को जनपद व जनसभा स्थल पर समग्र सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनज़र पुलिस आयुक्त श्री अखिल कुमार ने अपनी तैयारियों के संबंध में प्रस्तुतिकरण दिया। प्रस्तुतीकरण के उपरांत मा. मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित करते हुए कहा कि कार्यक्रम के लिए इमरजेंसी प्लान हमेशा तैयार रहे, सफाई के साथ-साथ ट्रैफिक प्लान हर स्थिति में तैयार हो। एंटी ड्रोन सुरक्षा व्यवस्था को चाक - चौबंद किया जाए। साथ ही, सभा स्थल व अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर इलेक्ट्रिक एंड फायर सेफ्टी व्यवस्था अवश्य हो। उन्होंने पुलिस महकमा को एसपीजी, एनएसजी, आईबी एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ सामंजस्य बनाते हुए कार्य करने के निर्देश दिए।

बहन बेटियों की सुरक्षा को लेकर डीसीपी से मिला एनजीओ

» विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के मौके पर दी जानकारियां

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के मौके पर बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा, स्वच्छता के मद्देनजर डीसीपी कार्यालय साउथ जाकर शकुंतला देवी राज शिक्षा सेवा संस्थान कानपुर नगर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दिवाकर प्रजापति ,प्रदेश उपाध्यक्ष पीयूष मिश्रा और प्रदेश महामंत्री सोनाली त्रिवेदी पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी से जाकर मुख्यतः बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा को केन्द्र बिन्दु रखते हुए मिलने गए जहां पर अन्य गंभीर विषयों पर भी चर्चा हुई । जिसमे स्कूलों , कालेजों मे बेटी सुरक्षा शपथ अभियान, सुरक्षा के दृष्टिकोण से सार्वजनिक स्थानों पर पिंक शौचालय की गंभीरता, आत्मसुरक्षा प्रशिक्षण अभियानों इत्यादि पर संस्था के पदाधिकारियों ने अपनी बात रखी।

डॉ दिवाकर प्रजापति ने पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी को संस्था के अन्य पदाधिकारियों के साथ सम्मानपूर्वक संस्था का स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए सम्मान किया और उनसे निवेदन करते हुए कहा कि संस्थान कानपुर नगर में बेटियों और महिलाओं की सुरक्षा हेतु समय समय पर सड़क पर उतर कर विभिन्न जागरुकता अभियानों के माध्यम से जिसमें मिशन शक्ति भी शामिल है संघर्षरत, प्रयत्नशील रहती है।पुलिस उपायुक्त दक्षिण ने संस्था के द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों, जागरुकता अभियानों की सराहना की और भविष्य मे संस्था के जागरुकता अभियानों मे जुड़कर साथ देने का आश्वासन दिया।

शनि जयंती पर मंदिरों में भव्य आयोजन किए गए

» जवाहर नगर स्थित खाटू श्याम हनुमान मंदिर में फूलों से श्रृंगार किया गया

» समाजसेवी अंशु ठाकुर पत्नी सहित किया पूजन

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। मंगलवार को शहर में कई जगह शनि जयंती मनाई गई। ज्येष्ठ माह के बड़े मंगल के मौके पर हनुमान जी के मंदिरों पर पूजन और दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। वहीं जवाहर नगर स्थित खाटू श्याम हनुमान मंदिर में फूलों से श्रृंगार किया गया। यहां पर 51 दीपों से महाआरती की गई। इस दौरान जवाहर नगर निवासी समाजसेवी अंशु ठाकुर अपनी पत्नी दीपाली ठाकुर और बच्चों के साथ मंदिर पहुंचकर पूजन कर प्रार्थना की। वहीं महिलाओं ने शनि देव की आरती कर कृपा मांगी। समाजसेवी अंशु ठाकुर ने बताया कि क्षेत्र में यह मंदिर काफी प्रसिद्ध है। यहां पर पूजन करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं इसी तरीके से छपेड़ा पुलिया स्थित हनुमान मंदिर में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया यहां पर छप्पन भोग अर्पित कर के काटा गया इसके बाद प्रसाद का वितरण भी किया गया इस दौरान कमेटी के प्रबंधक संजू गुप्ता राजेश बाबा सोनू राठौर सहित अन्य श्रद्धालूगढ़ मौजूद रहे

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

तहसील से नहीं मिला न्याय, कालिदास मार्ग जाकर सुनाई व्यथा

» ग्राम प्रधान द्वारा गरीबों की जमीन पर कब्जा किए जाने को लेकर पीड़ितों ने लगाई सीएम से गुहार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कस्बे के पुराने औरैया रोड निवासी आधा दर्जन गरीब परिवारों ने ग्राम प्रधान की दबंगई और अवैध कब्जे से परेशान होकर मुख्यमंत्री आवास कालिदास मार्ग पर पहुँचकर न्याय की गुहार लगाई। पीड़ित महिला कमला देवी ने बताया कि उनके परिवार के लगभग छह मकान 75 से 80 वर्षों से उक्त स्थान पर बने हैं। हाल ही में जल निगम द्वारा पानी की पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू हुआ, लेकिन गांव का दबंग प्रधान और भू माफिया अब्दुल अनीस मौके पर पहुंचा और पाइपलाइन बिछाने से रोक दिया। इतना ही नहीं, उसने कई लोगों की जमीनों पर भी कब्जा कर लिया और धमकी दी कि अगर किसी ने विरोध किया तो उन्हें थाने में बंद करवा देगा। पीड़ितों का आरोप है कि ग्राम प्रधान आम रास्ता भी बंद कर देता है और जलापूर्ति की पाइपलाइन नहीं डालने दे रहा।

प्रशासनिक उदासीनता पर उठा सवाल

पीड़ितों ने बताया कि इस पूरे मामले की शिकायत कई बार तहसील और मुख्यालय में की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जब कोई राहत नहीं मिली तो उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सीधा न्याय मांगा, जिस पर सीएम ने जिला अधिकारी को सख्त निर्देश दिए हैं कि पीड़ितों को न्याय दिलाया जाए। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान ने ग्राम समाज की बड़ी जमीन पर अवैध कब्जा कर दुकानें बनवा ली हैं। जब इसका विरोध किया गया तो मारपीट तक हुई, जिस पर प्रधान के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ। ग्रामीणों ने सवाल किया कि आखिर प्रशासन ग्राम प्रधान की दबंगई के सामने खामोश क्यों है।

सीएम योगी से शिक़ायत करने पहुंचे भोगनीपुर तहसील के पीड़ित

मलासा गांव में जल जीवन मिशन बना जल बर्बादी मिशन

बिना टोटी के कनेक्शन से बह रहा पानी, अधिकारियों की लापरवाही उजागर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड की ग्राम पंचायत मलासा में जल जीवन मिशन योजना के नाम पर हो रही भारी लापरवाही सामने आई है। गांव में अधिकतर स्थानों पर जल संयोजन तो कर दिए गए हैं, लेकिन उनमें टोटियां ही नहीं लगाई गईं। नतीजा यह है कि जलापूर्ति के समय तेज बहाव में लाखों लीटर पानी नालियों और सड़कों पर बहकर बर्बाद हो रहा है। जल निगम के अधिकारियों की उदासीनता और कार्यदायी एजेंसी की मनमानी से न केवल कीमती पानी की बर्बादी हो रही है, बल्कि गांव की गलियों में कीचड़ और गंदगी का अंबार लग रहा है। ग्रामीणों को न केवल जल संकट का डर सता रहा है, बल्कि यह समस्या बीमारियों को भी न्योता दे रही है।

राज्य सरकार और जिला प्रशासन भूगर्भ जल स्तर को बनाए रखने के लिए जहां शोक पिट और जल संचयन जैसी योजनाएं ज़मीनी स्तर पर लागू कर रहे हैं, वहीं जल जीवन मिशन योजना की लापरवाही इन सभी प्रयासों को पलीता लगा रही है। जिले की मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन लगातार गांवों में जल संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान चला रही हैं, लेकिन दूसरी ओर जल जीवन मिशन के अंतर्गत डाली गई पाइपलाइनों में बिना टोटी के कनेक्शन से हर दिन कीमती जल व्यर्थ बह रहा है। इस लापरवाही के कारण गांवों में गंदगी, मच्छरों और संक्रामक रोगों की समस्या बढ़ रही है। अधिशासी अभियंता जल निगम ने मामले की गंभीरता को स्वीकारते हुए कहा है कि कार्यदायी एजेंसी से जवाब तलब किया जाएगा और जल्द ही सभी कनेक्शनों पर टोटियां लगाकर जल बर्बादी रोकी जाएगी।

30 मई से 10 जून तक नि:शुल्क राशन वितरण होगा

» अन्त्योदय और पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को मिलेगा गेहूं व चावल, ई-केवाईसी कराना अनिवार्य

जिला पूर्ति अधिकारी अभिषेक कुरील कानपुर देहात

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जून माह के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण की तिथि तय कर दी गई है। जिला पूर्ति अधिकारी के अनुसार, यह वितरण 30 मई 2025 से 10 जून 2025 तक किया जाएगा। अन्त्योदय कार्ड पर प्रति परिवार 14 किलो गेहूं व 21 किलो चावल (कुल 35 किलो) जबकि पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 2 किलो गेहूं व 3 किलो चावल (कुल 5 किलो प्रति यूनिट) वितरित किया जाएगा। यह वितरण उचित दर विक्रेताओं के माध्यम से निःशुल्क किया जाएगा।कार्डधारकों को यह भी सूचित किया गया है कि राशनकार्ड में दर्ज सभी यूनिटों की ई-केवाईसी संबंधित उचित दर दुकान पर जाकर अवश्य करवा लें, जिससे भविष्य में राशन वितरण में कोई बाधा न आए। इस वितरण चक्र में पोर्टेबिलिटी सुविधा भी लागू रहेगी, जिससे लाभार्थी अन्य उचित दर दुकान से भी राशन प्राप्त कर सकेंगे। 1 जून 2025 को सर्वर डाटा कम्पाइलिंग के कारण राशन वितरण नहीं होगा, जबकि 2 जून से पुन: वितरण कार्य सुचारू रूप से चलेगा। जिन कार्डधारकों को आधार प्रमाणीकरण में दिक्कत हो रही है, वे 10 जून को मोबाइल ओटीपी वेरीफिकेशन (प्रॉक्सी सुविधा) के माध्यम से भी राशन प्राप्त कर सकेंगे।

पांच जून को राम दरबार समेत आठ मूर्तियों की होगी प्रतिष्ठा:चम्पत राय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होंगे मुख्य अतिथि
राममंदिर परिसर में 3 जून से शुरू होगा अनुष्ठान

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। राम जन्मभूमि मंदिर में एक बार फिर भव्य प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन होने जा रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने प्रेसवार्ता में बताया कि 5 जून को गंगा दशहरा के दिन अभिजीत मुहूर्त में सुबह 11:25 से 11:40 के बीच राम दरबार समेत कुल 8 मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई जाएगी।

इस शुभ आयोजन के लिए काशी के प्रसिद्ध विद्वान पंडित जयप्रकाश और 101 वैदिक आचार्य मंत्रोच्चार के साथ विधिवत अनुष्ठान करेंगे। 3 जून से यह अनुष्ठान शुरू होगा। जिसमें यज्ञ मंडप पूजन, अग्नि स्थापना, अधिवास और पालकी यात्रा शामिल हैं। 4 जून को पालकी यात्रा, तो वहीं 2 जून की शाम 4 बजे सरयू आरती स्थल से मातृ शक्तियों द्वारा जल कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो श्रृंगारहाट, हनुमानगढ़ी व दशरथ महल होते हुए मंदिर पहुंचेगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि होंगे इसके साथ ही आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद, श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के पदाधिकारी और संत-महात्मा भी शामिल होंगे। गौरतलब है कि भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को हुई थी, और अब 5 जून को दूसरी बार भव्य प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी। ट्रस्ट के अनुसार, तैयारियां जोरों पर हैं और आयोजन को ऐतिहासिक बनाने की दिशा में हर स्तर पर कार्य किया जा रहा है।

दो बच्चियों की हत्या के मामले में आया फैसला

दोनों आरोपियों को मिली मृत्युदंड की सजा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हाथरस। हाथरस की आशीर्वाद धाम कॉलोनी में शिक्षक की दो नाबालिग बेटियों की हत्या में दोनों आरोपियों को कोर्ट ने मृत्युदंड की सजा सुनाई है। 22 व 23 जनवरी की रात को दोनों बच्चियों की हत्या हुई थी।

यूपी के हाथरस सदर कोतवाली क्षेत्र की आशीर्वाद धाम कॉलोनी में 22 व 23 जनवरी की रात दिलदहला देने वाली घटना में शिक्षक की दो नाबालिग बेटियों की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। शिक्षक और उनकी पत्नी को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इस वारदात को शिक्षक के रिश्ते के भतीजे ने अपने दोस्त के साथ अंजाम दिया था। दो बच्चियों की हत्या के मामले में हाथरस के विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) राम प्रताप सिंह के न्यायालय से दोनों आरोपियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। इस मामले में 29 मार्च 2025 को आरोपियों पर न्यायालय में चार्ज तय हुआ था। अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता ने 12 गवाहों को परीक्षित कराया। आरोप तय होने के बाद कल 25 तारीख पड़ी। न्यायालय ने आरोप निर्धारित होने के दो माह के अंदर फैसला सुनाया है।

यह है मामला-मूल रूप से फतेहपुर के जहानाबाद क्षेत्र के गांव किशनपुर कपालिया के छोटेलाल गौतम चंदपा क्षेत्र के गांव मीतई स्थित जवाहर स्मारक इंटर कॉलेज में भूगोल के प्रवक्ता के पद पर तैनात हैं। पिछले चार वर्ष से आशीर्वाद धाम कॉलोनी में मकान बनाकर परिवार सहित रहते।

घटना के वक्त घर में छोटेलाल, पत्नी वीरांगना के अलावा दो बेटी सृष्टि (12) और विधि (6) भी थीं। इसी बीच रात करीब साढ़े बारह बजे अचानक विकास ने साथी की मदद से पहले दोनों बेटियों का मुंह दबाकर चाकू से गला रेतकर कत्ल किया। इसी बीच मां की नींद टूटी और वह उनसे बचने के लिए भागी तो उसका भी पकड़कर चाकू से गला रेता और फिर छोटेलाल को भी चाकू प्रहार कर घायल कर दिया।

दुकानदार शैलेंद्र मौर्य की हत्या पर गांव पहुंचे स्वामी प्रसाद मौर्य

» पीड़ितों को ढांढस बंधाने के साथ-साथ पीड़ित परिवार को एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी

स्वराज इंडिया संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के गोड़ा गांव में हुए बम हमले में शैलेंद्र की मौत के बाद जहां गांव में मातम पसरा है तो वहीं अब इस घटना को लेकर राजनीतिक बयानबाज़ी तेज़ हो गई है। मंगलवार को राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पीड़ितों को ढांढस बंधाने के साथ-साथ पीड़ित परिवार को एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि बाराबंकी में शैलेंद्र मौर्य की हत्या समेत उत्तर प्रदेश में 24 घंटे के भीतर मौर्य समाज के 13 लोगों की हत्या हुई है। ये बेहद चिंताजनक और अपराधियों के बेखौफ होने का प्रमाण है। अपराधी कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा रहे हैं और योगी सरकार इन गुंडा-माफियाओं के सामने घुटने टेक चुकी है।

योगी सरकार पर तीखा हमला बोला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि पीड़ित परिवार ने जब मोहम्मदपुर खाला पुलिस पहले से प्रार्थना पत्र देकर जानमाल का खतरा बताया था तो योगी सरकार की पुलिस कार्रवाई क्यों नही की अगर कार्रवाई की होती तो ऐसी नौबत क्यों आती वैसे तो योगी जी बड़ी-बड़ी डींगे हांकते हैं, किसी को स्वर्ग तो किसी को पाताल भेजने की बातें करते हैं। लेकिन यदि अपराधी उनकी बिरादरी का होता है, तो उसका सत्ता के गलियारे में स्वागत होता है। यहां भी हत्यारा मुख्यमंत्री की बिरादरी का है और जाति प्रमाणपत्र लेकर खुलेआम घूम रहा है। सरकार इंसाफ के साथ और समाज के साथ भेदभाव कर रही। स्वामी प्रसाद मौर्य ने आगे कहा कि अगर कोई अन्य बिरादरी का अपराधी होता है, तो उसके घर पर बुलडोजर चलाया जाता है, लेकिन जब अपराधी ठाकुर बिरादरी से होता है तो सरकार मूकदर्शक बन जाती है।

यह सरकार कानून के साथ इंसाफ के साथ और समाज के साथ भेदभाव कर रही है। वहीं, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हमारी नसों में सिंदूर दौड़ रहा है, वाले बयान पर स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि उनका यह बयान हास्यास्पद है। उन्होंने यह कह कैसे दिया, जिसका न तो वैज्ञानिक साक्ष्य है और सत्य से परे है।

403 सीटों पर चुनाव लड़ेगी पार्टी

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव अपनी जनता पार्टी सभी 403 विधानसभा सीटों पर अकेले बड़ी ही मजबूती से लड़ेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमने तैयारी शुरू कर दी है पूरे प्रदेश भगवान का कार्यक्रम हमने तैयार कर लिया है जो चार चरणों में किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के 29 जिलों की समस्त विधानसभा में अपनी उपस्थिति दर्ज करा ली है। उनका कहना है कि महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी, छुट्टा जानवर, युवाओं को सरकारी नौकरी, किसानों को उनकी फसलों का समर्थन मूल्य दिलाना, कानून व्यवस्था मे सुधार सहित प्रमुख मुद्दे होंगे।

हत्याकांड के बाद का मामला

बता दें कि शनिवार रात गोड़ा गांव में कीटनाशक दुकानदार शैलेंद्र मौर्य पर देसी बम से हमला किया गया था जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी। गांव में भारी तनाव फैल गया था। तो रविवार को शव गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया और आरोपियों की गिरफ्तारी व बुलडोजर कार्रवाई की मांग की। पुलिस जांच में हमले को पूर्व नियोजित साजिश बताया गया है। पुलिस के अनुसार अब तक 17 आरोपियों की पहचान हुई है, जिनमें से 10 को गिरफ्तार किया जा चुका है। अन्य की तलाश जारी है।

राज्य महिला आयोग की सदस्य ने किया औचक निरीक्षण

» डिलीवरी के नाम पर वसूली की शिकायत पर दी सख्त चेतावनी

स्वराज इंडिया संवाददाता

जैदपुर बाराबंकी। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग, की सदस्या अंजू प्रजापति ने बुधवार करीब 11 बजे जैदपुर कोतवाली, आंगनबाड़ी केंद्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें कोतवाली में महिला हेल्प डेस्क सहित अन्य प्रकार की जांच किया।

इस दौरान उन्होंने महिला हेल्प डेस्क के बैनर को बड़ा करने का आदेश दिया। वही सीएचसी में निरीक्षण के दौरान ओपीडी, डिस्पेंसरी, प्रतिक्षा कक्ष, लेबर रूम, साफ सफाई आदि की जांच पड़ताल की गई। इस दौरान

उन्होंने स्टाफ नर्स पर डिलीवरी के नाम पर पैसे वसूली व मरीजों को अन्य सरकारी सुविधाओं में लाभ न दिलाने के मामले में जमकर फटकार लगाई। और कार्य प्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष प्रतिनिधि दाऊद अलीम सभासद आलम अंसारी मोहम्मद जकी मोहम्मद सबीब हसीन आदि लोग मौजूद रहे।

मामूली से बात को लेकर दो पक्षों में टकराव

स्वराज इंडिया संवाददाता

सूरतगंज बाराबंकी। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में छप्पर रखने को लेकर जमकर चले लाठी डंडे। यह पूरा मामला बैसनपुरवा मजरे दुर्गापुर नौबस्ता गांव गांव का है। जहां पर सोमवार देर रात यह घटना हुई। पीड़ित राम सहारे ने पुलिस को बताया कि गांव के इंद्रभान, राम सिंह, अंबर सिंह, विद्या प्रसाद, विकास, जसकरण और फूल देवी ने छप्पर रखने को लेकर गाली-गलौज की। विरोध करने पर आरोपियों ने उनकी पिटाई शुरू कर दी। बचाव में आए उनके भाई कुसमेश, पिता शंकर, माता धीरजा, पत्नी मंजू देवी और भाभी सीमा देवी को भी नहीं बख्शा। घायलों को सूरतगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। पीड़ितों का आरोप है। कि अस्पताल में न तो बेड मिला और न ही बेहतर इलाज। इमरजेंसी के डॉक्टर ने उन्हें अस्पताल से बाहर कर दिया। परिवार को रात अस्पताल के बाहर बैठकर बितानी पड़ी। अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजश्री त्रिपाठी ने कहा कि अस्पताल में पर्याप्त बेड हैं। डॉक्टर या कर्मचारी की गलती पाए जाने पर कार्रवाई होगी। कोतवाल जगदीश प्रसाद शुक्ल ने बताया कि राम सहारे की शिकायत पर मारपीट करने वालों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। अस्पताल में बेड न मिलाने पर फर्श पर लेटे हुए घायल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि स्वराज इंडिया इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

पाकिस्तान के एजेंट की तरह काम कर रही थी ज्योति मल्होत्रा

» यूट्यूबर की आड़ में भारत की अहम ठिकाने और जानकारियां जा रही थीं सीमा पार

» नापाक पाकिस्तान ज्योति जैसे तमाम यूट्यूबर्स और ब्लॉगर्स से मिली जानकारी का इस्तेमाल करके अपनी आगे की रणनीति प्लान करता था

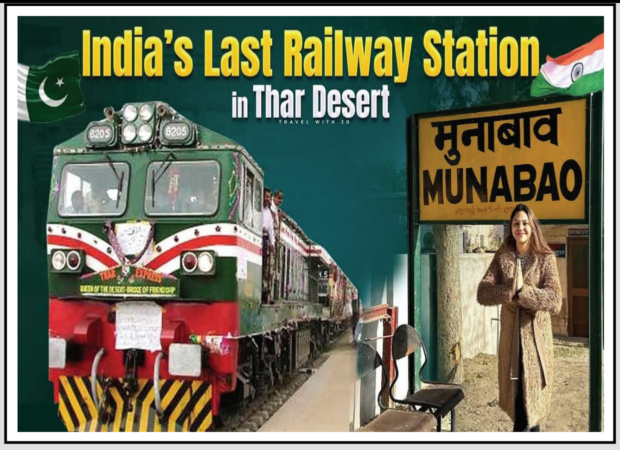

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। गद्दार और देशद्रोही यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की कहानियां सामने आ रही हैं। बताया जा रहा कि वह जो वीडियो बनाती थी, वो जानकारियों के लिहाज से नापाक पाकिस्तान के लिए काफी अहम होते थे। कोई सोच भी नहीं सकता कि ज्योति अपने यूट्यूब चैनल के लिए बनाए गए वीडियो के माध्यम से देश के तमाम महत्वपूर्ण स्थानों की हर छोटी-बड़ी जानकारियां पाकिस्तान तक पहुंचा रही थी। ज्योति नाटक करती थी, देश के लोगों को जानकारियां देने की.. जबकि वास्तव में उसका मिशन था, देश की सीमाओं से जुड़ी हर जगह के बारे में पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को बताना.. और नापाक पाकिस्तान ज्योति जैसे तमाम यूट्यूबर्स और ब्लॉगर्स से मिली जानकारी का इस्तेमाल करके अपनी आगे की रणनीति प्लान करता था..

दरअसल, ये हमारे सिस्टम की ही खामी है. यूट्यूबर/ ब्लॉगर को भी लगभग सभी पत्रकार ही समझते हैं.. उन्हें पत्रकार मानते हुए सरकारी विभागों के अधिकारी/कर्मचारी पलकों पर बिठा लेते हैं.. (इसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं है..) उन्हें न सिर्फ तमाम संवेदनशील सूचनाएं और जानकारियां देते हैं बल्कि ऐसी जगहों तक एंट्री की इजाजत दे देते हैं जहां आम आदमी की एक्सेस नहीं होती. (ये घोर आपत्तिजनक है..)

पत्रकार और यूट्यूबर/ब्लॉगर में बड़ा बेसिक अंतर है.. पत्रकार एक बड़े सिस्टम से जुड़ा होता है जहां जिम्मेदारियां होती हैं, बताने और सिखाने वाले लोग होते हैं.. गलतियां सुधारने वाले लोग होते हैं.. कोई भी फैसला अकेले का नहीं होता. उसके लिए तमाम सीनियर और जूनियर मौजूद रहते हैं.. पत्रकारों को कानून की समझ होती है. वो किसी भी खबर पर काम करने से पहले उसके कानूनी पहलू को देखते हैं.. वो खबर कितने लोगों के लिए अच्छी या कितनों के लिए बुरी हो सकती है, इस पर ऑफिस और ऑफिस के बाहर, तमाम लोगों से चर्चा करते हैं. उधर, यूट्यूबर/ब्लॉगर की अपनी एक अलग दुनिया होती है.. वो नये नवेले होते हैं, जोशीले होते हैं.. कानून की बहुत ज्यादा जानकारी नहीं होती. सलाह देने वाले लोग भी इसी तरह के होते हैं.

लेकिन गद्दार यूट्यूबर ऐसी नहीं थी. वो पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का मोहरा थी. देशद्रोही ज्योति मल्होत्रा ने अपने देश के सिस्टम की इसी कमजोरी का फायदा उठाया और बॉर्डर के तमाम स्थानों की छोटी से छोटी जानकारियां अपने विडियोज के जरिए पाकिस्तान तक पहुंचाती रही..

हालांकि, ज्योति कांड के बाद अब सिस्टम थोड़ा सतर्क हुआ है.. ईस्टर्न रेलवे ने यूट्यूबर्स और ब्लॉगर्स से रेलवे स्टेशन पर किसी भी तरह की फोटो या वीडियोग्राफी न करने की अपेक्षा जताई है.. राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ये कदम बहुत जरूरी भी था. मेरा निवेदन है कि ईस्टर्न रेलवे की तरह सभी विभागों को अपने-अपने दफ्तरों में, भवन परिसर में ये नियम लागू कराना चाहिए.. वो भी बहुत ही सख्ती से..

यहां एक बात साफ कर दूं.. यूट्यूबर्स और ब्लॉगर्स से मेरा कोई विरोध नहीं.. मैं भी उनमें से एक ही हूं लेकिन पहले मैं एक पत्रकार हूं.. मुझे पता है ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट क्या होता है.. मैं जानता हूं किसी स्थान, कोई सूचना, किसी जानकारी का क्या महत्व होता है.. क्या मर्यादा होती है.. कितना बताना है, कितना छिपाना है.. ये पता है मुझे.. मैं जानता हूं, गोपनीयता किस चिड़िया का नाम है.. और उसका पालन न करने का क्या अंजाम हो सकता है.. मुझे देश की सुरक्षा के मायने पता हैं.. और उसकी फिक्र भी है.

लेकिन अफ़सोस, बहुत सारे यूट्यूबर्स और ब्लॉगर्स को इसकी जानकारी नहीं होती.. न उन्हें देश की सुरक्षा से कोई लेना-देना होता है, न गोपनीयता की फिक्र होती है. उन्हें सिर्फ फॉलोअर बढ़ाने की धुन रहती है.. उनके दिमाग में सिर्फ एक बात रहती है कि अपने वीडियो के माध्यम से कितना ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाया जाए.. तो ऐसे लोगों से क्या ही उम्मीद की जाए.. देश को इनसे सिर्फ सावधान रहने की जरूरत है.

योगी सरकार लाएगी शहरी हरित क्रांति

» यूपी में पौधरोपण बनेगा जन अभियान

» इस वर्ष लगाए जाएंगे 35 करोड़ पौधे

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। जुलाई के पहले सप्ताह में आयोजित होने वाले वन महोत्सव के दौरान सरकार 35 करोड़ पौधरोपण के मेगा लक्ष्य को जमीन पर उतारने के लिए जुटेगी। इसे विभागीय औपचारिकताओं तक सीमित न रहकर जन अभियान बनाया जाए, सरकार का इस पर अधिक फोकस है। इसलिए सामाजिक संस्थाओं से लेकर शिक्षण संस्थानों तक की भागीदारी का खाका तैयार किया गया है। सीएम खुद सभी जनप्रतिनिधियों से इसको लेकर संवाद करेंगे।

वन विभाग ने पौधरोपण अभियान का खाका तैयार कर लिया है। विभागवार लक्ष्य भी निर्धारित कर लिए गए हैं। पौधरोपण के लक्ष्य के डेढ़ गुना पौधे तैयार किए गए हैं। विभागों व संस्थाओं को यह निःशुल्क उपलब्ध करवाया जाएगा। हालांकि, इसके लिए कैबिनेट से औपचारिक अनुमति ली जाएगी। पौधरोपण अभियान में एक बड़ी भूमिका स्थानीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों की भी है। इनके प्रतिनिधियों का स्थानीय प्रभाव जनभागीदारी में अहम भूमिका निभाता है इसलिए, अगले महीने सीएम योगी खुद विधानसभा से लेकर निकायों तक के प्रतिनिधियों से पौधरोपण अभियान के स्वरूप, लक्ष्य एवं सहभागिता को लेकर संवाद करेंगे। इसके अलावा विभिन्न विभागों के मंत्रियों एवं अधिकारियों के साथ भी राज्य स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी, जिससे विभागवार तय लक्ष्यों को हासिल करने की बेहतर कार्ययोजना बना सकें इसलिए, अगले महीने सीएम योगी खुद विधानसभा से लेकर निकायों तक के प्रतिनिधियों से पौधरोपण अभियान के स्वरूप, लक्ष्य एवं सहभागिता को लेकर संवाद करेंगे। इसके अलावा विभिन्न विभागों के मंत्रियों एवं अधिकारियों के साथ भी राज्य स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी, जिससे विभागवार तय लक्ष्यों को हासिल करने की बेहतर कार्ययोजना बना सकें।

स्पेसएक्स का सबसे विशाल रॉकेट की ताज़ा परीक्षण उड़ान फिर से हुई विफल

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। स्पेसएक्स के विशालकाय स्टारशिप रॉकेट की ताज़ा परीक्षण उड़ान फिर से हुई विफल, साथ ही यह अंतरिक्ष यान अब तक का सबसे बड़ा औप शक्तिशाली रॉकेट था।और इसे मंगल ग्रह पर कॉलोनी स्थापित करने की एलन मस्क की महत्वाकांक्षाओं के लिए अहम भी बताया जा रहा था।

मिली जानकारी के अनुसार, स्टारशिप की यह 9वीं परीक्षण उड़ान थी। और ये मानव रहित रॉकेट टेक्सस से सफलतापूर्वक ही लॉन्च हुआ था।

और फिर लॉन्च के कुछ देर बाद ही कक्षा में कुछ समस्या आ गई और रॉकेट पृथ्वी के वायुमंडल में अपनी योजनाबद्ध वापसी से पहले ही अनियंत्रित भी हो गया।

सूत्रों के अनुसार, अंतरिक्ष यान तेज़ी से विखंडित हो गया और हिंद महासागर में गिरने से पहले ही टूट कर बिखर भी गया।

और फिर एक्स पर एक पोस्ट में कंपनी ने कहा कि इस परीक्षण से उसे स्टारशिप की विश्वसनीयता में सुधार करने में पूर्ण मदद भी मिलेगी।